Anand

DATE
PAGE NO

ओडियो विडियो, रिकॉर्डिंग और कलाकार विवरण पत्र

फोल्डर नं :-10 दिनांक 09/05/2021

~~ZOO~~ZOOM0011 स्थान बड़नावा चारणान् सरवे की ढाणी

कलाकार का नाम - (समदर खां)(गायन /वादन)

पिता का नाम - मुसे खां

पता → गांव बड़नावा चारणान् ते. पचपदरा जिला, बाड़मेर

सहायक कलाकार

1

2

ट्रैक समयावधि : 29.24

ऑडियो रिकॉर्डिंग का समय - 25 मिनट

विषय - (कथा

विशेष - विवरण

विशेष विवरण - एक बार एक राजपूत होता है और उसके एक पत्नी होती होती है। राजपूत का एक नियम होता है, कि सुबह वह अपनी पत्नी को 20 कदम दूर खड़ी करके उसके नथ (नाक) से तीर निकालता है, ये उनका रोजाना का काम था। एक दिन उस औरत का पिता उसका सुखजानने उसके घर आता है। तो देखता है वह बहुत दुबली-पतली हो गई तो पिता पुछता बेटा तुम इतनी थक कैसे गई तो वह जवाब देती है पिताजी खाने-पीने और रहने की कोई कमी नहीं है।

बस आपके जवाईशाह मेरी नथ तीर निकालते है और फिर मुंछ पर हाथ फेरकर कहते है की मेरे जैसा मर्द कोई नहीं, पिता ने कहा ये बात है, बेटी ने कहा हा तो पिताजी ने कहा कल जब ये तुम्हारी नथ से तीर निकाल तब तुम कहना दुनिया मे भला-भली है। जैसे ही सुबह हुई तो उसने हमेशा की तरह फिर अपनी पत्नी को खड़ा कर दिया।

नथ के अन्दर से तीर निकाला तो पत्नी बोली दुनिया में भला - भली है। ये सुनकर वह भी वहां से दुनियां की भला - भली देखने चला जाता है। कुछ दूर जाता है तो वह एक आदमी को देखता है और उससे मुलाकात करता है। वह आदमी पूछता है भाई कहां जा रहे हो तो वह राजपूत केहता है मै भला - भली देखने जा रहा हूं तो वह आदमी कहता है मुझे भी तेरे साथ चलना है, वह केहता है चलो तो वह आदमी केहता है कि मैंने सातवे आसमान पर उड़ रहे बाज को तीर मारा है बस वो नीचे गिर जाये फिर चलते है। वह सोचता है ये कैसा आदमी है सातवे आसमान पे बाज को तीर मारा है

इसके आगे मै तो कुछ भी नहीं थोड़ी देर बाज और तीर दोनों जमीन पर आकर गिरते है फिर वह दोनो वहां से रवाना हो जाते है कुछ दूर चलते है तो उनकी मुलाकात एक और मुसाफिर से होती है उनके पास एक छल्ला होता है, जिसमें वह पटन नगर में दौड़ रहे घोड़ियों को देख कर केह रहा है, वाह काली वाह पीली और वह दोनो यह देखकर हैरान रह जाते हैं वह आदमी केहते है आप कौन हो और कहा जा रहे हो वो केहते है हम मुसाफिर है और दुनिया की भला - भली देखने जा रहे है। तो वह भी उनके साथ हो जाता है।

ये तीनों वहां से रवाना हो जाते है तो आगे उन्हे एक और इन्सान मिलता है। वह बहुत हौसला धारी होता है। वह हर रोज गंगा स्नान करके आता इतना तेज होता है। वह भी इनके साथ हो जाता है। इस प्रकार से ये चारों दुनिया की भला - भली देखने के लि निकल जाते है शाम होते समय वह किसी शहर के आस पास पहुंचते है। उस शहर में एक शेर रात को आता है और किसी को अपना शिकार बनाता है। शेर से पूरा शहर परेशान था।

Anand
DATE :
PAGE NO. :

वह चारो शहर के पास ही ठहर जाते है वहीं खाना पीना करते और सो जाते है। आधी रात गुजरने पर शेर वहा आता है और समय बान को सातवे आसमान में तीर मारने वाला शेर को तीर मारता है और उसे खत्म कर देता है और कान और पुंछ को काट कर अपने पास रख लेता है सुबह वह चारों वहां से रवाना हो जाते है तो लोग शेर को मरा हुआ देखकर ईनाम पाने के लिए दरबार तक ये खबर पहुंचाते है।

तो दरबार सबुत मांगता है तो किसी के पास नहीं मिलता है गेट पर खड़े चौकीदार से पूछा जाता है तो वह कहता है कि चार आदमी यहां रात को रुके हुए थे। और वह सुबह यहां निकले है। तो दरबार उन चारो को वापस बुलाता है और अपने यहा अच्छी नौकरी में रख लेता है। दरबार के साथ उन चारों की नजदीगा देखकर आला ओहदे दारों को उनसे जलन होने लगी।

विशेष तोर से नईजी को तो अब इनको दूर X कैसे किया जाय, तो वह एक दिन ~~सखी~~ राजकुमार के पेड़ दर्द का बहाना बनाते आ X X X X

कैसे किया जाय वह दरबार के पास जाते है और कहते है कि रानी सा को (कोड़) एक बीमारी लग गई है और शेरनी के दुध से सही होगी तो दरबार उन चारों को हुक्म देता है और शेरनी का दुध लाने को बोलता है। तो उनमें से एक पलट के गिरने से शेरनी का रूप लेता है और दूसरा दुध निकाल कर दरबार को पेश करते है।

कुछ समय निकलने के बाद राजकुमार का पेट दर्द करने लगता है और कहा जाता है कि अगर गंगा जल पीये तो ठीक होगा। दरबार फिर उन चारों को बुलाता है और गंगा जल लाने को कहता है। तो वह तीनों अपने दोस्त गंगा नहाने वाले को भेजते है और कहते है आपके तो गंगा नहाना रोज का काम है।

Anand
DATE :
PAGE NO. :

वह गंगा पानी लेने चला जाता है और लौटते समय वह उन्हीं छाया मे आराम करने के लिए रुकता है तो वहा उसे नींद आ जाती है और इसी समय एक काला सांप उनकी छाती पर सवार हो जाता है। और वह भी उसे देख लेता है वहां उसका वह तीनों इन्तजार कर रहे होते है। और आपस मे सलाह मसोहरा करते है। और छींके मे देखने वाले को केहते है कि आप देखो कहीं हमारा भाई किसी मुसकिल मे तो नहीं है।

जैसे ही वह ~~छीके~~ छीके में देखता है तो उसकी छाती पर एक काला साप बैठा होता है उस समय बाजू को गिराने वाला साप को तीर मारता है। और वह वहा से उठकर तीर निकालकर अपने पास रख लेता है कुछ ही समय मे वह महल पहुंच जाता है। और गंगा जल पेश करता है। अब उनके कारनामों से सभी लोग परेशान हो रहे थे आखरी बार नाईजी ने एक और दाव खेला और दरबार से कहा - तो केहता है

कि आप इनको कहो की आपके दादा-पर दादा की खबेर लेकर आये तो भारी तैयारियां की गई गंगा नहाने वाला बहुत पराक्रमी था। उसने चिंता को एक बिल के ऊपर बनाया और नाग का रूप धारण कर लिया जैसे ही चिंता को आग लगाई गई तो नाग बिल मे चला गया और नईजी खुश हुआ इनमें से एक तो कम हुआ जैसे ही सुबह हुई राजा का दरबार लगा तो ये भी वहा पहुंचा

और कहा ~~दरब~~ दरबार आपके बढ़ाऊ उनके वहां वह मजे मे है, बस उन्होने मुझसे कहां है कि दरबार से कहकर नई को भिजवा दो ताकि हमारे दाढ़ी ~~मू~~ मुछ ले सके दरबार ने नई जी को चिंता मे चलवा दिया अब उनके रास्ते का कांटा भी हट चुका था। अब वह एक एक घड़ी लाख-लाख-रुपये की गुजारने लगे कुछ समय पश्चात वह भी दरबार से आज्ञा पाकर निकलते है।

तो दरबार उनसे पूछता है अगर आप चारों में से कोई भी एक मेरी बेटी से शादी करना चाहता है तो मैं अभी करवादेता हूँ लेकिन उन चारों में से किसी ने शादी नहीं की वह वहां से निकल गये वापस आते समय सब अपने-अपने घर जाते रहे अन्त में वह राजपूत भी अपने घर आता है उसका अच्छा स्वागत करके घर में प्रवेश दिया जाता है।

इस प्रकार से कहानी दुनिया में भला-भली को दर्शाने के लिए हमेशा याद की जायेगी।

समाप्त मास्ट टू मान्थ

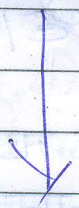

तीसरा महीना